

## बिहार सरकार ने मध्याह्न भोजन मेनू में कथिा बदलाव

### चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में **मध्याह्न भोजन (पीएम पोषण शक्ति निर्माण या पीएम पोषण)** मेनू में महत्त्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य छात्रों को दिये जाने वाले भोजन के **पोषण मूल्य और वविधिता को बढ़ाना** है।

### मुख्य बदि

- भोजन में बदलाव इस उद्देश्य से कथिा गया है कि बच्चों को **संतुलित और पोषणयुक्त आहार** प्राप्त हो, जिससे उनके **स्वास्थ्य में सुधार और अध्ययन के परिणामों में वृद्धि** हो सके।
- इस अद्यतन मेनू में **सोयाबीन और दाल** जैसे **प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों** के साथ-साथ **वभिन्न मौसमी सब्जियों को शामिल करने पर ज़ोर दिया गया है**, ताकि छात्रों के लिये **संतुलित आहार सुनिश्चित कथिा जा सके**।
- **मध्याह्न भोजन योजना** स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिये सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिससे छात्रों की **उपस्थिति दर में वृद्धि होगी और उनके समग्र बिकास को समर्थन मिलेगा**।
- ये परिवर्तन बिहार के **सभी सरकारी स्कूलों में लागू कथिे जाएँगे**, जो बच्चों के लिये **अधिके स्वस्थ और अनुकूल शक्ति वातावरण को बढ़ावा देने** के लिये राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### मध्याह्न भोजन योजना (MDMS)

- **परिचय:**
- मडि डे मलि स्कीम अर्थात् **मध्याह्न भोजन योजना** विश्व में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्कूल पोषण कार्यक्रम है, जो **कक्षा 1 से 8 तक के सरकारी स्कूलों में नामांकित छात्रों को कवर करता है**।
- इस योजना का मूल उद्देश्य स्कूलों में **नामांकन बढ़ाना** है।
- **नोडल मंत्रालय:** शक्ति मंत्रालय
- **पृष्ठभूमि:** यह कार्यक्रम पहली बार **1925 में मद्रास नगर नगिम** में वंचित बच्चों के लिये शुरू कथिा गया था।
- केंद्र सरकार ने **1995 में कक्षा 1 से 5 तक** के बच्चों के लिये पायलट आधार पर एक **केंद्र परियोजना** शुरू की थी और अक्टूबर 2007 तक **MDMS को कक्षा 8 तक बढ़ा दिया गया था**।